सोमवार, 16 फरवरी, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

ईशान किशन ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी की

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

रणबीर-आलिया की लव एंड वॉर पर लगा ब्रेक

Page-05

एआई की वैश्विक ताकत का संगम:

16–20 फरवरी को होगा इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026

दिल्ली, टीवी भारतवर्ष

16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाला इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026, इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ मिलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करेगा। यह आयोजन एआई के व्यावहारिक उपयोग, नीति निर्माण, नवाचार और बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन को एक साथ लाने का प्रयास है। इसे देश के एआई पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।यह एक्सपो 70,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैले 10 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियां, उभरते स्टार्टअप, प्रतिष्ठित अकादमिक और अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें तथा अंतरराष्ट्रीय भागीदार हिस्सा लेंगे। आयोजन का उद्देश्य एआई के माध्यम से शासन, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में परिवर्तन की संभावनाओं को रेखांकित करना है।अंतरराष्ट्रीय भागीदारी इस आयोजन की प्रमुख विशेषताओं में से एक है। ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्विट्जरलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया, ताजिकिस्तान और कई अफ्रीकी देशों सहित 13 देशों के विशेष पवेलियन स्थापित किए जाएंगे। इन पवेलियनों के माध्यम से एआई अनुसंधान, नवाचार और निवेश के अवसरों में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।एक्सपो में 300 से अधिक क्यूरेटेड प्रदर्शनी पवेलियन और लाइव डेमो प्रस्तुत किए जाएंगे। इन्हें तीन विषयगत "चक्रों" — लोग, ग्रह और प्रगति — के तहत विभाजित किया गया है। "लोग" के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और कौशल विकास में एआई के उपयोग को दर्शाया जाएगा। "ग्रह" में जलवायु परिवर्तन, कृषि और सतत विकास के समाधान प्रस्तुत होंगे, जबकि "प्रगति" चक्र उद्योग, डिजिटल अवसंरचना और स्मार्ट शासन में एआई की भूमिका पर केंद्रित रहेगा। इसके अलावा, 600 से अधिक उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप इस आयोजन में भाग लेंगे। इनमें से कई स्टार्टअप ऐसे एआई समाधान विकसित कर रहे हैं जो पहले से वास्तविक दुनिया में लागू हैं और वैश्विक स्तर पर प्रभाव डाल रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक्सपो भारत को एआई नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

भारत ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 61 रनों से धूल चटा दी, सुपर-8 में मजबूत एंट्री

कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में रविवार, 15 फरवरी 2026 को खेले गए आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 27वें मैच में भारत ने अपने सबसे बड़े मुकाबले में पाकिस्तान को 61 रनों से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने सुपर-8 में अपनी मजबूत स्थिति पक्की कर ली।भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175/7 का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य सेट किया, जिसमें सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने 77 रन की तेजी से पारी खेली और भारतीय स्कोर को मजबूती दी। मध्यक्रम में सूर्यकुमार यादव ने भी 30 से अधिक रन बनाकर टीम को आगे बढ़ाया।पाकिस्तान की पारी की शुरआत संघर्षपूर्ण रही और टीम को लगा-लगाकर विकेट खोते हुए 114 रन पर ऑल-आउट होना पड़ा, जिससे उन्हें लक्ष्य का पीछा करने में बड़ी मुश्किल का सामना करना पड़ा। भारतीय गेंदबाजों ने गहरी पकड़ बनाई रखी और विरोधी बल्लेबाजों को रन नहीं बनाने दिए। भारत-पाकिस्तान के इस हाई-प्रोफाइल मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों तरफ के संतुलित प्रदर्शन ने निर्णायक भूमिका निभाई। टीम इंडिया ने अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पर एकतरफा जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में आगे बढ़ने की अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर ओवैसी का हमला:

'एसआईआर लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए खतरा'

हैदराबाद, टीवी भारतवर्ष

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से सरकार नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है।हैदराबाद में मीडिया से बातचीत के दौरान ओवैसी ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा जरूर है, लेकिन इसके नाम पर यदि किसी वर्ग को निशाना बनाया जाता है या वैध मतदाताओं को सूची से बाहर किया जाता है, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर के जरिए नागरिकता से जुड़े अधिकारों को प्रभावित करने की आशंका पैदा हो रही है।ओवैसी ने कहा कि बिहार में इस प्रक्रिया के बाद अब तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी विशेष गहन पुनरीक्षण की बात सामने आ रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से लागू की जाएगी या फिर इसका इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किया जाएगा। एआईएमआईएम प्रमुख ने चुनाव आयोग से भी अपील की कि वह सुनिश्चित करे कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से बिना ठोस आधार के न हटाया जाए।उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके बहाने नागरिकों को परेशान करना या उनके अधिकारों को सीमित करना स्वीकार्य नहीं है। ओवैसी ने कहा कि यदि कहीं भी गलत तरीके से नाम हटाए जाते हैं, तो उनकी पार्टी कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध करेगी।हालांकि भाजपा की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण का मुद्दा आने वाले समय में राजनीतिक बहस का बड़ा विषय बन सकता है, खासकर उन राज्यों में जहां चुनावी गतिविधियां तेज हो रही हैं। इस बीच, चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच बयानबाजी तेज होती दिखाई दे रही है।

महाशिवरात्रि पर नई शुरुआत:

मुख्य सचिवालय में शिफ्ट हुआ सम्राट चौधरी का कार्यालय

बिहार, टीवी भारतवर्ष

बिहार के डिप्टी सीएम और गृह मंत्री सम्राट चौधरी का कार्यालय अब मुख्य सचिवालय में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसी परिसर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कार्यालय भी स्थित है। इस बदलाव को प्रशासनिक समन्वय और कार्यकुशलता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।अब तक गृह विभाग का संचालन सरदार पटेल भवन स्थित पुलिस मुख्यालय से किया जाता था। नए निर्णय के तहत गृह मंत्री का कार्यालय मुख्य सचिवालय में शिफ्ट कर दिया गया है, जिससे शासन और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होने की उम्मीद जताई जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि इससे फैसलों के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और विभागीय कार्यों की निगरानी अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगी।महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सम्राट चौधरी ने नए कार्यालय से विधिवत कार्यभार संभाला। इस अवसर को उन्होंने शुभ शुरुआत के रूप में देखा और राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया। नए कार्यालय में कार्यारंभ करते ही उन्होंने गृह विभाग और बिहार पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।बैठक में राज्य की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, पुलिस आधुनिकीकरण और संवेदनशील क्षेत्रों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। गृह मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराध पर सख्ती से अंकुश लगाया जाए और जनता को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।सूत्रों के अनुसार, बैठक में आगामी त्योहारों और महत्वपूर्ण आयोजनों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की विशेष तैयारियों पर भी चर्चा हुई। गृह मंत्री ने पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहने और जमीनी स्तर पर सक्रिय निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

लॉन्च हुआ 14 अंकों वाला 'भू-आधार'

दिल्ली में हर जमीन को मिलेगा डिजिटल पहचान कार्ड

दिल्ली, टीवी भारतवर्ष

राजधानी दिल्ली में जमीन के रिकॉर्ड को डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने एक महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि दिल्ली में हर भूखंड का 'आधार कार्ड' तैयार किया जाएगा। इस नई प्रणाली के तहत प्रत्येक भूखंड को 14 अंकों की विशिष्ट पहचान संख्या दी जाएगी, जिसे यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नंबर (ULPIN) कहा जाएगा। इसे राजधानी के भूमि प्रशासन और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है।नई डिजिटल प्रणाली का नाम 'भू-आधार' रखा गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य भूमि से जुड़े विवादों को कम करना, रिकॉर्ड को व्यवस्थित और सुरक्षित रखना और भ्रष्टाचार पर रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक संख्या नहीं है, बल्कि भूमि विवाद और गड़बड़ियों के खिलाफ एक मजबूत डिजिटल हथियार है। भूमि लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ाने और नागरिकों को भरोसेमंद जानकारी प्रदान करने के लिए यह कदम अत्यंत जरूरी है।भू-आधार के माध्यम से हर भूखंड का रिकॉर्ड ऑनलाइन सुरक्षित रूप से रखा जाएगा। इससे जमीन की खरीद, बिक्री और अन्य लेन-देन में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल रिकॉर्ड के चलते गलत दस्तावेजीकरण और नकली लेन-देन पर रोक लगाई जा सकेगी। भविष्य में भूमि से जुड़े सभी डेटा का केंद्रीकृत डिजिटल डेटाबेस उपलब्ध होगा, जिससे सरकारी और निजी दोनों स्तर पर भू-लेन-देन की प्रक्रिया आसान, तेज और सुरक्षित हो जाएगी।मुख्यमंत्री ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' अभियान को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम और क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली न केवल नागरिकों को सुविधा देगी, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रिया को भी अधिक प्रभावी और सटीक बनाएगी।

आवश्यकता

Tv भारतवर्ष ग्रुप

को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में e रिपोर्टर की। और पॉडकास्ट हेतु टैलेंटेड युवक ,और युवतियों की जो डिजिटल मीडिया में अपना भविष्य और पहचान बनाना चाहते है।

इच्छुक अभ्यर्थी अपनी सीवी 8601780000 व्हाट्सप्प के माध्यम से भेंजे

अब अमेरिका बताए कि उसे ये डील करनी है या नहीं, ईरान ने दे दिया ऑफर

अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार इस बात पर ज़ोर दिया है कि इस लंबे समय से चल रही वार्ता प्रक्रिया में प्रगति में रुकावट अमेरिका नहीं, बल्कि ईरान की है।

ईरान के एक मंत्री ने बीबीसी को बताया है कि अगर अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर चर्चा करने को तैयार है, तो ईरान परमाणु समझौते तक पहुंचने के लिए समझौता करने को तैयार है। अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार इस बात पर ज़ोर दिया है कि इस लंबे समय से चल रही वार्ता प्रक्रिया में प्रगति में रुकावट अमेरिका नहीं, बल्कि ईरान की है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौता चाहते हैं, लेकिन ईरान के साथ समझौता करना "बहुत मुश्किल" है। लेकिन तेहरान में बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में ईरान के उप विदेश मंत्री माजिद तख्त-रवांची ने कहा कि यह साबित करना अमेरिका के हाथ में है कि वे समझौता करना चाहते हैं। अगर वे गंभीर हैं, तो मुझे यकीन है कि हम समझौते की ओर अग्रसर होंगे। अगर ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के लिए कोई समझौता नहीं हो पाता है, तो ट्रंप ने ईरान पर हमले की धमकी दी है। इसके चलते अमेरिका ने इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है। पिछले महीने ईरान द्वारा देशव्यापी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के हिंसक दमन के बाद यह कदम उठाया गया है, जिसमें मानवाधिकार समूहों के अनुसार हजारों लोग मारे गए थे। अमेरिका और ईरान ने फरवरी की शुरुआत में खाड़ी देश ओमान में अप्रत्यक्ष वार्ता की थी। तख्त-रवांची ने मंगलवार को जिनेवा में दूसरे दौर की वार्ता की पुष्टि करते हुए कहा कि वार्ता "कमोबेश सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है, लेकिन अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। उप विदेश मंत्री ने तेहरान द्वारा अपने 60% संवर्धित यूरेनियम को कम करने के प्रस्ताव को समझौते के प्रति उसकी तत्परता का प्रमाण बताया। स्विट्जरलैंड के मंत्रालय ने बताया कि ओमान ने छह फरवरी को अप्रत्यक्ष वार्ता के पहले दौर की मेजबानी की थी और अब वह वार्ता का आयोजन जिनेवा में करेगा। हालांकि उसने वार्ता की तारीखों का उल्लेख नहीं किया। पहली बातचीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि यदि कोई समझौता नहीं हुआ तो इसके परिणाम 'बेहद गंभीर और दर्दनाक' होंगे। ट्रंप कई बार धमकी दे चुके हैं कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को बंद करने पर राजी नहीं हुआ तो वह बल प्रयोग करेंगे। ईरान ने भी जवाबी हमले की चेतावनी दी है। ट्रंप ने हाल में ईरान में हुए प्रदर्शनों पर की गई कड़ी कार्रवाई को लेकर भी उसे धमकी दी थी। वहीं खाड़ी के अरब देशों ने आगाह किया है कि कोई भी हमला एक और क्षेत्रीय संघर्ष में बदल सकता है।

भारत से दोस्ती करना चाहती है बांग्लादेश की नई सरकार, लेकिन बदले में...

भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हुए सत्ता परिवर्तन की जिसने पूरे दक्षिण एशिया की राजनीति को एक नए मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। बांग्लादेश में हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी कि बीएनपी ने ऐतिहासिक और भारी जीत हासिल की और अब पार्टी के नेता तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने जा रहे हैं। लेकिन इस राजनीतिक बदलाव की सबसे बड़ी और अहम बात यह है कि नई सरकार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का न्योता दिया है। यह सिर्फ एक औपचारिक निमंत्रण नहीं होगा बल्कि यह एक बहुत बड़ा कूटनीतिक संदेश बांग्लादेश की नई सरकार की तरफ से दिया गया कि भारत के साथ रिश्तों को नए सिरे से मजबूत करना चाहती है। इस पूरे घटनाक्रम को और अहम इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि शपथ ग्रहण से ठीक पहले प्रधानमंत्री मोदी और तारिक रहमान के बीच फोन पर बातचीत हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें जीत की बधाई दी और कहा कि भारत बांग्लादेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में उनके साथ पूरी तरह से खड़ा है। यह बातचीत इस बात का संकेत भी है कि भारत नई सरकार के साथ सकारात्मक इसी के साथ-साथ एक स्थिर संबंध रखना चाहती है।

बांग्लादेश की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

बांग्लादेश में हुए 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव के नतीजे घोषित हो चुके हैं और 17 फरवरी को नई कैबिनेट शपथ लेगी. शपथ ग्रहण समारोह के लिए चुनाव की तैयारियां चल रही हैं. बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 13 देश की सरकारों के प्रमुख को न्योता भेजा है. भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी शपथ ग्रहण समारोह में आने के लिए आमंत्रित किया गया है. वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी है कि पीएम मोदी की जगह कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. नई कैबिनेट के शपथ समारोह में शामिल होने के लिए अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने 13 देशों के सरकार के प्रमुखों को बुलाया है. अभी तक, बुलाए गए देशों की लिस्ट में चीन, सऊदी अरब, भारत, पाकिस्तान, तुर्किए, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, मलेशिया, ब्रुनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान शामिल हैं.

मंगलवार, 17 फरवरी की सुबह, नए चुने गए संसद सदस्य अपने पद की शपथ लेंगे. बाद में शाम को, नई कैबिनेट बनाई जाएगी और शपथ ली जाएगी. शपथ ग्रहण समारोह का नेतृत्व चीफ इलेक्शन कमिश्नर एएमएम नासिर उद्दीन करेंगे.

अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के दफ्तर, कानून मंत्रालय और बीएनपी के कई सोर्स ने बांग्लादेशी डेली अखबार प्रोथोम आलो को इसकी पुष्टि की है. चुनाव गुरुवार को हुआ था और चुनाव आयोग ने शुक्रवार रात को जीतने वाले उम्मीदवारों का आधिकारिक नोटिफिकेशन पब्लिश किया. जातीय संसद सचिवालय में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां पहले से ही चल रही हैं. यह समारोह जातीय संसद भवन में तय शपथ कक्ष में होता है. जातीय संसद सेक्रेटेरिएट के सचिव कनीज मौला ने कहा कि मंगलवार शाम, 17 फरवरी को शपथ ग्रहण समारोह के लिए इंतजाम किए जा रहे हैं. 13वें संसदीय चुनाव में 300 में से 299 सीटों के लिए 12 फरवरी को वोटिंग हुई थी. चुनाव आयोग ने 297 सीटों के लिए अनौपचारिक नतीजे घोषित किए थे. हालांकि, हाई कोर्ट के निर्देश के बाद चटगांव-2 और चटगांव-4 के लिए गजट नोटिफिकेशन अभी तक जारी नहीं किए गए हैं.

चुपके से खेल गया भारत! डॉलर पर पुतिन का नया बवाल, ट्रंप रह गए हैरान

दुनिया यूक्रेन यू डीडोलाइजेशन और ब्रिक्स की राजनीति में उलझी रही है और भारत चुपचाप अपना गेम सेट करता रहा है। भारत चुपचाप अपना गेम खेलता रहा है। अब एक बड़ा डेवलपमेंट सामने आया है। रूस का एक कथित इंटरनल मेमो लीक हुआ है जिसमें दावा किया गया है कि युद्ध के बाद रूस दोबारा डॉलर सिस्टम में लौट आया है और वह भी अमेरिका के साथ बड़े एनर्जी सौदे के बदले। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक रूसी रणनीतिक दस्तावेज में अमेरिका रूस आर्थिक सहयोग की संभावनाओं का जिक्र है। बशर्ते यूक्रेन युद्ध रूस की शर्तों पर खत्म हो। कहा जा रहा है कि रूस ने संकेत दिया है कि वह दोबारा डॉलर सेटलमेंट सिस्टम में लौट सकता है। एनर्जी ट्रेड डॉलर में होगा। अमेरिकी कंपनियों को ऑयल और एलएनजी प्रोडक्ट में एंट्री हो जाएगी। आर्कटिक और साइबेरिया के फील्ड्स खोले जा सकते हैं। यह बात इसलिए बड़ी है क्योंकि साल 2022 के बाद रूस ने डॉलर से दूरी बनाकर युवान और रूपए में व्यापार बढ़ाया था। अगर आप दुनिया के टॉप ऑयल प्रोड्यूसर्स देखें तो दो नाम सबसे ऊपर हैं। यूनाइटेड स्टेट्स और रशिया दोनों मिलकर वैश्विक ऊर्जा बाजार का बड़ा प्रभाव रखते हैं। अब अगर यह दोनों देश प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि साझेदार बन गए तो सोचिए असर कितना होगा। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस कह रहा है कि हम सस्ता तेल चीन को देने के बजाय ग्लोबल मार्केट में डॉलर में बेचेंगे। अगर ऐसा हुआ डिस्काउंट रूसी ऑयल खत्म हो जाएगा।

38 देशों के साथ व्यापार समझौता, 'हम तैयार हैं' वाले विकसित भारत का संकल्प है बजट,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को व्यापक रक्षा आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सरकार का यह कर्तव्य है कि वह वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप सशस्त्र बलों को मजबूत करे, जैसा कि केंद्रीय बजट 2026 में किए गए बढ़े हुए आवंटन में परिलक्षित होता है। एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस वर्ष का बजट भारत की एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तत्परता का संकेत देता है। इस वर्ष का बजट भारत की एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा को दर्शाता है। बजट कोई मजबूरी से उत्पन्न 'अभी या कभी नहीं' वाला क्षण नहीं है, बल्कि तैयारी और प्रेरणा से उत्पन्न 'हम तैयार हैं' वाला क्षण है। देश के रक्षा बलों की सहायता करने और उन्हें मजबूत करने के लिए सरकार को जो भी करना होगा, करेगी। रक्षा बजट में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह मौजूदा हालात के हिसाब से रक्षा क्षेत्र को आधुनिक बनाए। हमारे एफटीए (मुक्त व्यापार समझौते) का उद्देश्य वस्त्र, चमड़ा, रसायन, हस्तशिल्प, रत्न और अन्य क्षेत्रों में एमएसएमई के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने संप्रग सरकार के समय के 'आर्थिक कुप्रबंधन' की आलोचना करते हुए कहा कि उसने भारत को आत्मविश्वास के साथ बातचीत करने की स्थिति में नहीं छोड़ा।

संपादक की कलम से

उत्तर प्रदेश की राजनीति में लंबे समय तक प्रभावशाली चेहरा रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी एक बार फिर चर्चा में हैं। कभी बसपा शासनकाल में 'मिनी CM' के रूप में पहचान बनाने वाले सिद्दीकी अब समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। उनके इस राजनीतिक कदम ने प्रदेश की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है। नसीमुद्दीन सिद्दीकी को 'मिनी CM' की उपाधि उस दौर में मिली जब मायावती के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में सत्ता में थी। सिद्दीकी को सरकार के भीतर बेहद प्रभावशाली मंत्री माना जाता था। संगठन से लेकर प्रशासनिक फैसलों तक उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती थी। कई महत्वपूर्ण विभाग उनके पास रहे और सरकार की रणनीति तय करने में उनकी सक्रिय भूमिका रहती थी। यही कारण था कि उन्हें अनौपचारिक रूप से 'मिनी CM' कहा जाने लगा। समय के साथ सिद्दीकी और मायावती के संबंधों में खटास आई। आरोप-प्रत्यारोप के बीच उन्होंने बसपा छोड़ दी। इसके बाद उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दामन थामा। कांग्रेस में उन्हें उत्तर प्रदेश की राजनीति को पुनर्जीवित करने की जिम्मेदारी भी मिली। हालांकि, कांग्रेस में उनका प्रभाव वैसा नहीं बन पाया जैसा बसपा में था। संगठनात्मक चुनौतियों और चुनावी पराजयों के कारण उनका राजनीतिक ग्राफ सीमित होता गया। अब सिद्दीकी का समाजवादी पार्टी में शामिल होना कई राजनीतिक संकेत दे रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव लगातार अपने सामाजिक समीकरण मजबूत करने की कोशिश में हैं। ऐसे में सिद्दीकी जैसे अनुभवी मुस्लिम चेहरे का साथ आना पार्टी के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सिद्दीकी का प्रभाव खासकर बुंदेलखंड और कुछ अन्य क्षेत्रों में रहा है। यदि वे अपने पुराने नेटवर्क को सक्रिय कर पाते हैं तो सपा को इसका लाभ मिल सकता है। साथ ही मुस्लिम वोट बैंक में संदेश देने की भी यह एक कोशिश मानी जा रही है। नसीमुद्दीन सिद्दीकी का राजनीतिक सफर चार दशक से अधिक पुराना है। वे कई बार विधायक और मंत्री रहे हैं। संगठनात्मक राजनीति, चुनावी रणनीति और प्रशासनिक अनुभव—इन तीनों क्षेत्रों में उनकी पकड़ रही है। लेकिन बदलते राजनीतिक परिदृश्य में उनके सामने नई चुनौतियां भी हैं। नई पीढ़ी के नेतृत्व और बदलते सामाजिक समीकरणों के बीच अपनी प्रासंगिकता साबित करना आसान नहीं होगा। सपा में शामिल होने के बाद अब यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी उन्हें क्या जिम्मेदारी देती है। क्या वे फिर से संगठन में अहम भूमिका निभाएंगे या केवल चुनावी रणनीति तक सीमित रहेंगे? इतना तय है कि 'मिनी CM' कहे जाने वाले नसीमुद्दीन सिद्दीकी की वापसी ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। आने वाले चुनावों में उनका प्रभाव कितना दिखाई देता है, यह समय ही बताएगा।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी।

ललित गर्ग

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का? तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनस्र्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है। आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की "नई गंगा" तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं।

भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है।

इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी।

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है।

भारत की दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली को प्रतिक्रिया में उतावलापन नहीं, बल्कि धैर्य और कूटनीतिक परिपक्वता दिखानी होगी। पड़ोसी देश की संप्रभुता और जनादेश का सम्मान करते हुए सहयोग का हाथ बढ़ाना ही दीर्घकालिक हित में है। सीमा पार आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दों पर सख्ती के साथ-साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद को भी सुदृढ़ करना होगा। संबंधों में भावनात्मकता के बजाय व्यावहारिकता और पारस्परिक सम्मान की नींव आवश्यक है।

अंततः यह चुनाव बांग्लादेश के लिए निर्णायक इसलिए है क्योंकि यह केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं, बल्कि शासन की शैली और राष्ट्रीय दिशा तय करने का क्षण है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से मुक्त, समावेशी और विकासोन्मुखी नीति अपनाती है, तो वह बांग्लादेश को स्थिरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर कर सकती है। परंतु यदि वह अतीत की कटु स्मृतियों और वैचारिक आग्रहों में उलझी रही, तो जनादेश की सार्थकता संदिग्ध हो जाएगी। बांग्लादेश को अब नई संभावनाओं, नई सोच और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। यही इस चुनाव का संदेश है और यही उसकी वास्तविक परीक्षा भी।

डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव-भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक गंभीर हस्तक्षेप है। पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है। राजनीतिक नेताओं के फर्जी वीडियो, अभिनेत्रियों की अश्लील रूप से परिवर्तित तस्वीरें, सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले ऑडियो क्लिप और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए बनाए गए कृत्रिम संदेश-ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि तकनीक तटस्थ नहीं रहती, उसका उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। जब सत्य को जूता जा रहा हो और झूठ को परिष्कृत तकनीक के सहारे प्रमाणिकता का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया जा रहा हो, तब समाज में अविश्वास का वातावरण बनना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा नियंत्रण की पहल आवश्यक प्रतीत होती है, क्योंकि यह केवल अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है।

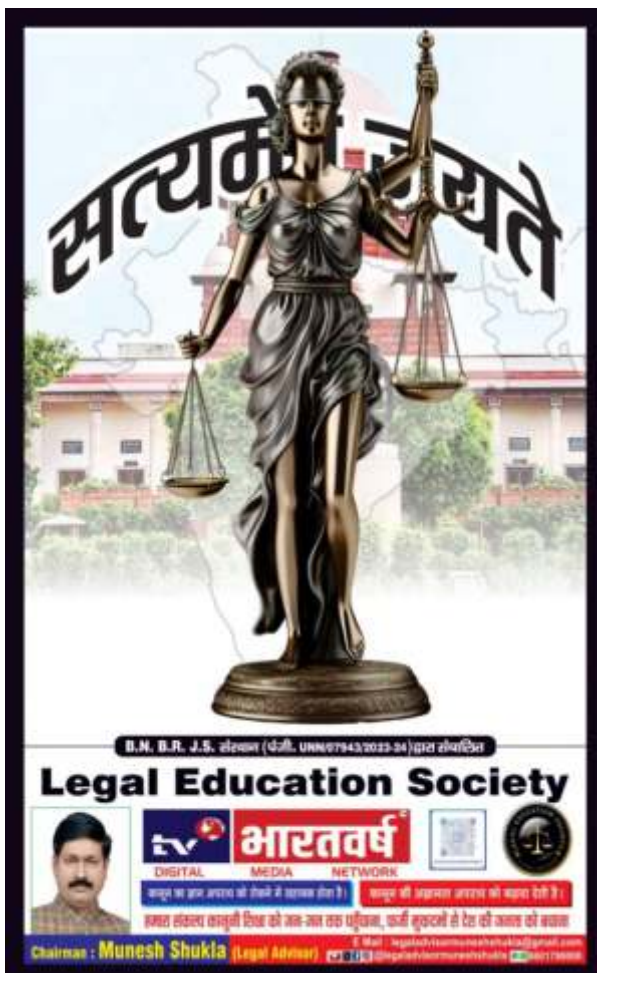

माइक्रोसॉफ्ट रिपोर्ट में चेतावनी

AI के तेजी से बढ़ते उपयोग से नौकरी का संकट:

माइक्रोसॉफ्ट की हालिया रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के तेजी से बढ़ते उपयोग के कारण कई पेशों में कर्मचारियों की नौकरियों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। रिपोर्ट में यह बताया गया है कि AI न केवल डेटा प्रोसेसिंग और ऑटोमेशन के क्षेत्र में बदलाव ला रहा है, बल्कि रचनात्मक और तकनीकी पेशों में भी इसके प्रभाव महसूस किए जा रहे हैं।रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे कई सेक्टर हैं जहां AI के आने से पारंपरिक काम करने के तरीके बदल रहे हैं। विशेषकर ग्राहक सेवा, डेटा एंट्री, बुनियादी लेखांकन, कॉल सेंटर और प्रशासनिक भूमिकाओं में A I टूल्स के कारण नौकरी पर प्रत्यक्ष असर पड़ सकता है। इसके अलावा कंटेंट क्रिएशन, रिपोर्ट जेनरेशन, बुनियादी डिज़ाइन और अन्य रूटीन कार्य भी अब AI के माध्यम से तेजी से स्वचालित किए जा रहे हैं। यह बदलाव कर्मचारियों के लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ कार्यक्षमता बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करता है।माइक्रोसॉफ्ट ने रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया कि A I केवल नौकरियों को खतरे में नहीं डाल रहा, बल्कि नए कौशल और प्रशिक्षण की मांग भी बढ़ा रहा है। ऐसे पेशे जहां तकनीकी और रचनात्मक क्षमताओं की जरूरत है, वहां कर्मचारियों को AI के साथ तालमेल बिठाकर काम करने की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट में कंपनियों और कर्मचारियों से सुझाव दिया गया है कि वे इस बदलाव के अनुसार अपने कौशल और कार्यशैली को अपडेट करें और डिजिटल तथा AI-संबंधित प्रशिक्षण को प्राथमिकता दें। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर समय रहते प्रशिक्षण और अपस्किलिंग नहीं किया गया, तो पारंपरिक नौकरियों पर खतरा और बढ़ सकता है। वहीं, AI का सही और जिम्मेदार उपयोग नई संभावनाओं और रोजगार के अवसर भी प्रदान कर सकता है। AI से उत्पन्न बदलाव को केवल चुनौती के रूप में देखने के बजाय इसे नई रणनीतियों और कौशल विकास के लिए अवसर के रूप में अपनाना जरूरी है।रिपोर्ट में कंपनियों और नियोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अपने कर्मचारियों के लिए AI प्रशिक्षण, डिजिटल स्किल डेवलपमेंट और अपस्किलिंग प्रोग्राम शुरू करें। इससे न केवल कर्मचारियों का करियर सुरक्षित रहेगा, बल्कि उद्योग में कार्यकुशलता, नवाचार और प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। इसका सही उपयोग और कर्मचारियों की तैयारियों पर जोर देने से नौकरियों पर असर कम किया जा सकता है और नई संभावनाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

वुमेंस एशिया कप:

भारत महिला ए ने पाकिस्तान महिला ए को 8 विकेट से हराया

वुमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट के ग्रुप-ए मुकाबले में भारतीय महिला ए टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान महिला ए टीम को 8 विकेट से हराया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में अपना आत्मविश्वास बढ़ाया और दर्शकों को एक यादगार प्रदर्शन दिखाया।मैच में भारतीय टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही क्षेत्रों में संतुलित खेल दिखाया। टीम इंडिया की बल्लेबाजों ने लक्ष्य को आसानी से हासिल किया, जबकि गेंदबाजों ने पाकिस्तान की शुरुआत में ही उन्हें दबाव में रखा। इसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान को निर्धारित ओवरों में लक्ष्य तक पहुँचने में सफलता नहीं मिली।भारतीय टीम की जीत में बल्लेबाजों का संयम और आक्रामक खेल निर्णायक रहा। इस मुकाबले से साफ हुआ कि टीम इंडिया का युवा पक्ष एशिया कप में मजबूत प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार है।हालांकि, मैच के बाद भारत की खिलाड़ियों ने हैंडशेक न करने की नीति जारी रखी, जो पारंपरिक तौर पर पाकिस्तान के खिलाफ अपनाई जाती रही है।इस जीत के साथ भारतीय महिला ए टीम टूर्नामेंट में अपने कदम मजबूत करती दिख रही है और आगे के मुकाबलों के लिए उम्मीद बढ़ा रही है।

ईशान किशन ने टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी की

वेस्टइंडीज ने किया धमाका, सुपर 8 के लिए पहली क्वालीफाइंग टीम बनी

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में वेस्टइंडीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुपर 8 चरण के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बनने का रिकॉर्ड बनाया। अपनी ताकतवर बल्लेबाजी और चुस्त गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने ग्रुप स्टेज में विपक्षी टीमों को मात दी और दर्शकों को रोमांचक मुकाबले का अनुभव कराया।वेस्टइंडीज की टीम ने शुरुआती मैचों में लगातार जीत हासिल की, जिससे उन्हें सुपर 8 में प्रवेश करने के लिए आवश्यक अंक सुनिश्चित हो गए। टीम की बल्लेबाजों ने आक्रामक खेल दिखाया और बड़े स्कोर बनाए, जबकि गेंदबाजों ने विपक्षी टीमों को दबाव में रखकर उन्हें कम स्कोर पर रोक दिया।विशेष रूप से कप्तान और स्टार बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन ने टीम को मजबूती दी। उन्होंने मैचों में निर्णायक क्षणों पर उच्च दबाव का सामना करते हुए टीम को जीत दिलाई। टीम के गेंदबाजों ने भी अहम विकेट लेकर विपक्षी टीमों की योजनाओं को विफल किया।क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि वेस्टइंडीज की यह सफलता टीम की रणनीति, संयम और आक्रामक खेल का परिणाम है। सुपर 8 में पहुंचकर टीम का आत्मविश्वास और भी बढ़ा है, और अब उन्हें टूर्नामेंट के आगामी मुकाबलों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना होगा।इस सफलता के साथ ही वेस्टइंडीज ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर 8 के लिए क्वालीफाई करने का पहला रिकॉर्ड अपने नाम किया, जो टीम के लिए गर्व का क्षण है। प्रशंसक और क्रिकेट विश्लेषक अब टीम की आगे की संभावनाओं पर ध्यान दे रहे हैं और यह देखना रोचक होगा कि सुपर 8 में वेस्टइंडीज अपनी जबरदस्त फॉर्म को जारी रख पाएगी या नहीं।

राशिद खान ने टी20 विश्व कप संघर्ष के लिए अनुभव की कमी को ठहराया जिम्मेदार

टी20 विश्व कप 2026 में अफगानिस्तान की टीम से बाहर होने की कगार पर पहुंचे कप्तान राशिद खान ने टीम के कमजोर प्रदर्शन के लिए शीर्ष टीमों के खिलाफ नियमित अंतरराष्ट्रीय मैच न खेलने को जिम्मेदार ठहराया है।राशिद खान ने कहा कि अगर अफगानिस्तान को दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और अन्य उच्च स्तरीय टीमों के खिलाफ अधिक द्विपक्षीय श्रृंखला खेलने का अवसर मिलता, तो खिलाड़ी विश्व कप के दबाव को बेहतर ढंग से संभाल पाते। उन्होंने यह भी कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में अनुभव की कमी टीम के प्रदर्शन पर साफ दिखाई दी।टी20 विश्व कप के दौरान अफगानिस्तान की टीम ने कुछ मैचों में कड़ा मुकाबला तो किया, लेकिन शीर्ष टीमों के खिलाफ लगातार हार और दबाव में गलत निर्णयों ने टीम को संकट में डाल दिया। राशिद खान ने यह स्पष्ट किया कि टीम के पास प्रतिभा और क्षमता है, लेकिन अनुभव की कमी और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की कमी ने टीम के आत्मविश्वास और रणनीति पर असर डाला।विशेषज्ञों का मानना है कि अफगानिस्तान की टीम के लिए नियमित रूप से उच्च स्तरीय टीमों के खिलाफ खेलना न केवल खिलाड़ियों के कौशल को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें बड़े टूर्नामेंटों के दबाव का सामना करने के लिए भी तैयार करेगा। राशिद खान की इस टिप्पणी ने क्रिकेट जगत में चर्चा छेड़ दी है।

टी20 विश्व कप:

भारत-पाकिस्तान मुकाबले में हाथ नहीं मिलाने की परंपरा जारी

टी20 विश्व कप के मुकाबले में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने हैं। इस बार का मैच कोलंबो में खेला जा रहा है। भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपनी परंपरा को जारी रखते हुए हाथ मिलाने की नीति का पालन किया और मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पारंपरिक अभिवादन से परहेज किया।मैच से पहले टीम इंडिया के कप्तान और खिलाड़ी मैदान पर आते ही रणनीति और अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करते दिखे। वहीं पाकिस्तान की टीम भी अपने अभ्यास और वार्म-अप सेशन में व्यस्त रही। दोनों देशों के बीच खेल की प्रतिस्पर्धा हमेशा तीव्र रही है, लेकिन राजनीतिक और कूटनीतिक तनाव के कारण कई मौकों पर खिलाड़ियों के बीच हाथ मिलाने की परंपरा नहीं निभाई जाती।भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा दर्शकों और क्रिकेट प्रेमियों के लिए खास आकर्षण का केंद्र होता है। इस बार भी स्टेडियम में भारी संख्या में दर्शक मौजूद हैं और मैच की लाइव टेलीकास्टिंग लाखों दर्शकों द्वारा देखी जा रही है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला केवल खेल का नहीं बल्कि मानसिक दबाव और रणनीति का भी टेस्ट साबित होगा।हालांकि, भारत ने इस बार भी पहले के मैचों की तरह शिष्टाचार के नाम पर हाथ न मिलाने की नीति का पालन किया। खिलाड़ियों का ध्यान पूरी तरह खेल पर केंद्रित रहा और वे मैदान में अपने प्रदर्शन पर ध्यान देने में व्यस्त रहे।विशेषज्ञों का कहना है कि भारत-पाकिस्तान मैच में प्रतिस्पर्धा हमेशा उच्च स्तर की होती है, लेकिन दोनों टीमों के बीच शिष्टाचार और खेल भावना बनाए रखना भी जरूरी है। इस मुकाबले से दोनों टीमों की फॉर्म और रणनीति का अंदाजा लगाया जा सकेगा, जो आगामी मैचों के लिए भी महत्वपूर्ण होगा।

लद्दाख से आया दुर्लभ वीडियो वायरल

बर्फ में खेलते दिखे स्नो लेपर्ड

वीडियो में ये तीनों स्नो लेपर्ड बर्फीली ढलान पर एक-दूसरे के करीब चलते दिखाई देते हैं. उनके फूले हुए ग्रे-सफेद फर बर्फ की सफेदी के बीच एक अलग ही चमक पैदा करते हैं. एक लेपर्ड पहाड़ी की तरफ बढ़ता है जबकि बाकी दो उसके पीछे-पीछे चलते हैं.

वीडियो में ये तीनों स्नो लेपर्ड बर्फीली ढलान पर एक-दूसरे के करीब चलते दिखाई देते हैं (Photo:X/@BROindia)

लद्दाख की ऊंची, ठंडी पहाड़ियों से एक ऐसा दृश्य सामने आया है जिसने वन्यजीव प्रेमियों को रोमांचित कर दिया. गहरी बर्फ़ में एक साथ चलते तीन स्नो लेपर्ड दिखाई दिए. ये वही लेपर्ड हैं जिन्हें उनकी छुपने की क्षमता के कारण 'पहाड़ों के भूत' भी कहा जाता है. इस दुर्लभ क्षण को बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन (BRO) ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शेयर किया और वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया. वीडियो में ये तीनों स्नो लेपर्ड बर्फीली ढलान पर एक-दूसरे के करीब चलते दिखाई देते हैं. उनके फूले हुए ग्रे-सफेद फर बर्फ की सफेदी के बीच एक अलग ही चमक पैदा करते हैं. एक लेपर्ड पहाड़ी की तरफ बढ़ता है जबकि बाकी दो उसके पीछे-पीछे चलते हैं. अंत में एक लेपर्ड धीरे-धीरे ढलान से नीचे उतरता दिखता है. पूरा दृश्य इतना शांत और सुंदर है कि इसे बार-बार देखने का मन करता है.BRO ने वीडियो के कैप्शन में लिखा कि हाई हिमालयाज में दिखा एलूसिव स्नो लेपर्ड. ⊙

चंबा की पहाड़ियों में हिमालयन तहर की झलक

विशाल आनंद, आजतक

हिमालयी इलाकों में बर्फ़बारी के दौरान वन्यजीवों को देख पाना आमतौर पर बेहद मुश्किल होता है. लेकिन इस बार हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की दुर्गम पांगी घाटी से एक अनोखी और दुर्लभ झलक सामने आई है. भारी बर्फ से ढकी पहाड़ियों के बीच संकटग्रस्त प्रजाति हिमालयन तहर (Himalayan Tahr) दिखाई दिया है. ताजे बर्फीले मौसम में इसका दिख जाना वन्यजीव प्रेमियों के लिए किसी सुखद आश्चर्य से कम नहीं है. ⊙

डॉग एक्सपर्ट का वीडियो हो रहा वायरल

जब कुत्ते पीछे पड़ जाए तो क्या करें!

इंटरनेट पर ऐसे रील्स और वीडियो वायरल होते रहते हैं, जिनमें कुछ लोग स्पेशलिस्ट होने का दावा कर रोजमर्रा की जिंदगी के प्रॉब्लम सॉल्व करने के ट्रिक या हैक बताते दिख जाते हैं.

ऐसा ही एक वायरल वीडियो एक डॉग बिहेवियर स्पेशलिस्ट होने का दावा करने वाली महिला का है, जो लोगों को आवारा कुत्तों के हमले के वक्त क्या करना चाहिए ये बता रही है. सोशल मीडिया पर कुत्तों के हमले के काफी वीडियो वायरल होते रहते हैं. इसी कड़ी में एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसमें एक महिला पर एक साथ दर्जनों कुत्ते झपटते दिख रहे हैं. फिर अचानक

से एक महिला स्कूटी से आती है और सभी कुत्तों को भगा देती है. क्योंकि उनके हाथ में दूध का कंटेनर था और उससे महिला कुत्तों को डराने की कोशिश करती है, जिससे वो भाग जाते हैं. इस वीडियो के बीच में ही अचानक से एक महिला का चेहरा सामने आता है. ⊙

कोई हथकड़ी में तो कोई दीवार फांदकर पहुंचा एग्जाम देने

बिहार में 12वीं परीक्षा का हाल

बिहार में 12वीं बोर्ड की परीक्षा शुरू हो चुकी है. इसके साथ ही सोशल मीडिया पर एग्जाम ऐसे जुड़े वीडियो वायरल होने लगे हैं, जिसे देखकर कोई भी चौंक जाए. सबसे ज्यादा वीडियो वैसे सेंटर्स से वायरल हो रहे हैं, जहां समय की पाबंदी की वजह से परीक्षार्थियों को एग्जामिनेशन हॉल में घुसने ही नहीं दिया गया. ऐसे में कुछ छात्र-छात्राओं ने अंदर जाने के ऐसा तरीका आजमाया जिसे देखकर आप भी हैरान रह जाएंगे. सोशल मीडिया पर ऐसे कई सारे वीडियो वायरल हो रहे हैं, जो इंटर की परीक्षा से जुड़े बताए जा रहे हैं. कहीं कोई दीवार फांदता दिखाई दे रहा है, तो कहीं भीड़ अफसरों को घेरकर करियर बर्बाद होने की दुहाई देती दिखाई दे रही है. किसी सेंटर

के बाहर लाठी चार्ज हो रहा है तो कहीं हिरासत में बंद हाथ में हथकड़ी लगाए परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे दिख रहे हैं. बिहार के एक सेंटर से ऐसा भी वीडियो सामने आया जहां एक छात्रा दीवार फांदकर अंदर जाती दिखाई दी. दावा किया जा रहा है कि ये इस साल के इंटरमीडिएट परीक्षा का वीडियो है. इसे हिलसा स्थित एक परीक्षा केंद्र का बताया जा रहा है. यहां सेंटर का गेट बंद कर दिया गया था.इसके बाद छात्रा दीवार फांदकर अंदर जाने का प्रयास करती दिखाई दे रही है. वहीं बिहार के जहानाबाद के रतनी प्रखंड के शकुराबाद के परीक्षा केंद्र का भी एक वीडियो वायरल हो रहा है. इसमें न्यायिक हिरासत में बंद दो परीक्षार्थी हाथ में हथकड़ी लगाए परीक्षा देने पहुंचे हुए थे. ⊙

रणबीर-आलिया की लव एंड वॉर पर लगा ब्रेक

बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर आने वाले समय में दो बड़े प्रोजेक्ट्स, नितेश तिवारी की 'रामायण: पार्ट वन' और संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' के साथ सिनेमाघरों में धमाका करने के लिए तैयार हैं। जहां 'रामायण' को दिवाली 2026 के लिए लॉक कर दिया गया है, वहीं भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' की रिलीज डेट को लेकर चल रही अनिश्चितताओं पर अब खुद रणबीर कपूर ने चुप्पी तोड़ी है। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही 'लव एंड वॉर' साल 2026 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इसमें रणबीर कपूर के साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। पहले इस फिल्म को क्रिसमस 2025 पर रिलीज होना था, जिसे बाद में बढ़ाकर 20 मार्च 2026 किया गया। हालांकि, हालिया अपडेट के अनुसार रणबीर कपूर ने पुष्टि की है कि फिल्म की रिलीज डेट अब और आगे बढ़ गई है। अब चर्चा है कि यह फिल्म 'रामायण' के बाद यानी दिसंबर 2026 में रिलीज हो सकती है। भले ही फिल्म की तारीखें आगे बढ़ी हों, लेकिन फिल्म का काम जोरों पर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संजय लीला भंसाली ने हाल ही में एक बड़े गाने की शूटिंग पूरी की है और फिल्म के मुख्य हिस्से पहले ही शूट किए जा चुके हैं। टीम का पूरा प्रयास है कि फिल्म को 2026 के अंत तक हर हाल में पर्दे पर लाया जाए। फिल्म के देरी होने की एक मुख्य वजह अन्य बड़ी फिल्मों के साथ होने वाला टकराव भी बताया जा रहा है। बॉक्स ऑफिस पर बड़ी फिल्मों के बीच टकराव टालने के लिए मेकर्स ने यह समझदारी भरा फैसला लिया है। दरअसल, 19 मार्च को 'धुरंधर' और 'टॉक्सिक' जैसी फिल्में रिलीज हो रही हैं। ऐसे में 'लव एंड वॉर' को उनके साथ क्लैश कराने के बजाय एक सुरक्षित विंडो की तलाश की जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि रणबीर कपूर ने अपने लाइव सेशन में फिल्म 'धुरंधर' की जमकर तारीफ की और इसे अपनी मौजूदा पसंदीदा फिल्म बताया। उन्होंने फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू के काम को जबरदस्त सराहा।

योगी आदित्यनाथ सरकार का चुनावी साल का बड़ा दांव

अगले साल होने वाले यूपी चुनाव से पहले सरकार ने अपना चला दांव

बजट को सराहते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश ने नीति गत ठहराव की स्थिति से निकलकर अपनी छवि बदली है। उन्होंने कहा कि बिना नया कर लगाए, कर संग्रह में सुधार, रिसाव पर रोक और बेहतर वित्त प्रबंधन से प्रदेश को राजस्व अधिशेष की दिशा में ले जाया गया।

लखनऊ। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए उत्तर प्रदेश सरकार का बजट आकार, सोच और संकेत तीनों स्तर पर राजनीतिक और आर्थिक संदेश देता दिखा है। करीब 9.13 लाख करोड़ रुपये का यह बजट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट है, ऐसे में इसकी राजनीतिक अहमियत भी साफ है क्योंकि अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। योगी सरकार ने इस बजट को सुरक्षित नारी, सक्षम युवा, खुशहाल किसान, हर हाथ को काम और तकनीक आधारित समृद्धि की थीम से जोड़ा है। हम आपको बता दें कि नई योजनाओं के लिए 43,565 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान और पूंजीगत व्यय पर दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जोर इस बात का संकेत है कि सरकार सड़क, सेतु, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और डिजिटल ढांचे पर आक्रामक निवेश जारी रखना चाहती है। पूंजीगत व्यय को रोजगार सृजन का इंजन मानते हुए यूपी सरकार का दावा है कि इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने अपने बजट भाषण में शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, उद्योग और पुलिस सुदृढ़ीकरण पर बड़े प्रावधान गिनाए। चिकित्सा शिक्षा, नए मेडिकल कॉलेज, आयुष्मान योजना, ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, स्मार्ट स्कूल, युवा सशक्तिकरण के तहत टैबलेट और स्मार्टफोन, एमएसएमई प्रोत्साहन, डिफेंस इंडस्ट्रियल कोरिडोर, एआई मिशन और डाटा सेंटर जैसे कदम विकास को बहु आयामी दिशा देने की कोशिश दिखाते हैं। पर्यटन, संस्कृति और तीर्थ विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। सुरेश खन्ना ने बताया कि उप्र श्री नैमिषारण्य तीर्थ विकास परिषद द्वारा नैमिषारण्य क्षेत्र में पर्यटन अवस्थापना विकास के लिए 100 करोड़ रुपये प्रस्तावित है। इसके अलावा विंध्यवासिनी धाम तथा वाराणसी में पर्यटक सुविधाओं के विकास के लिए 100-100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। उधर, बजट को सराहते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश ने नीति गत ठहराव की स्थिति से निकलकर अपनी छवि बदली है। उन्होंने कहा कि बिना नया कर लगाए, कर संग्रह में सुधार, रिसाव पर रोक और बेहतर वित्त प्रबंधन से प्रदेश को राजस्व अधिशेष की दिशा में ले जाया गया। सरकार ने यह भी कहा कि कर्ज अनुपात को नियंत्रित करने, कानून व्यवस्था मजबूत करने और निवेश माहौल सुधारने से उत्तर प्रदेश देश की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में जगह बना रहा है। बेरोजगारी दर में कमी और निवेश प्रस्तावों को भी मुख्यमंत्री ने अपनी उपलब्धि बताया।

हालांकि विपक्ष इस बजट से सहमत नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे चुनाव पूर्व दिखावा बताते हुए कहा कि आम जनता को महंगाई, आय और रोजगार पर ठोस राहत नहीं दिखती। विपक्षी नेताओं ने कहा कि बड़े आकार के बजट का मतलब जमीन पर बड़े परिणाम नहीं होता और कई पुरानी घोषणाएं अब भी अधूरी हैं।

खड़ी गाड़ी को तेल पिलाने वाले जेई पर गिरी गाज, किया गया सस्पेंड; एक्सईएन और एई के खिलाफ बैठाई गई जांच

लखनऊ। में खराब हो चुकी खड़ी गाड़ी को तेल पिलाने वाले जेई पर गाज गिरी है। इसे सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, एक्सईएन और एई के खिलाफ जांच बैठाई गई है। उत्तर प्रदेश में पीडब्ल्यूडी में लंबे समय से खड़ी और कंडम हो चुकी गाड़ी को तेल पिलाने वाला अवर अभियंता (जेई) अनिल कुमार सस्पेंड कर दिया गया है। इस मामले में सहायक अभियंता एसके नायक और अधिशासी अभियंता रंजिता प्रसाद के खिलाफ जांच की संस्तुति की गई है। पीडब्ल्यूडी के विद्युत एवं यांत्रिक खंड के लखनऊ स्थित 17वें सर्किल में एक कार लंबे समय से खड़ी है। यह कंडम स्थिति में पहुंच चुकी है। बताते हैं कि इसका इस्तेमाल टोचन करने में दिखाया जाता था। मामले में जेई अनिल कुमार का निलंबन आदेश जारी कर दिया है। जबकि, सहायक अभियंता के खिलाफ कर्मचारी आचरण नियमावली के नियम-7 और एक्सईएन के खिलाफ नियमावली-10(2) के तहत जांच बैठा दी गई है।

अग्निवीर जीडी बनने को 837 युवाओं ने दिखाया दम, एएमसी स्टेडियम में कन्नौज-महोबा के जवानों ने ट्रैक पर लगाई दौड़

लखनऊ। छावनी के एएमसी स्टेडियम में चल रही अग्निवीर भर्ती रैली के दसवें दिन रविवार को भी युवाओ का जोश देखते ही बना। स्टेडियम में बने ट्रैक पर 837 युवाओं ने अपना भाग्य आजमाया। दौड़ में सफल होने वाले अभ्यर्थी अगले चरणों में शामिल हुए, वहीं, असफल अभ्यर्थी मायूस होकर अपने घरों को लौट गए। एएमसी स्टेडियम में सेना भर्ती मुख्यालय लखनऊ के अंतर्गत आने वाले 13 जिलों के अभ्यर्थी हिस्सा ले रहे हैं। इस रैली में लखनऊ ,औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर और फतेहपुर के उन लगभग 13 हजार अभ्यर्थियों को शामिल होने के लिए बुलावा पत्र भेजा गया है, जिन्होंने सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) में सफलता हासिल की थी। अभ्यर्थियों को कोई असुविधा न हो इसके लिए प्रतिदिन दो जिलों की तहसीलों के करीब एक हजार युवाओं को रैली में शामिल किया जा रहा है। रविवार को अग्निवीर जनरल ड्यूटी (जीडी) के लिए कन्नौज जिले की छिबरामऊ, कन्नौज, तिर्वा और हसेरन और महोबा जिले के अंतर्गत कुलपहाड़, चरखारी और महोबा की तहसीलों के अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। इन तहसीलों के कुल 1163 अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र भेजा गया था, जिसमें 837 अभ्यर्थियों ने इस भर्ती रैली में हिस्सा लिया। अब सोमवार को अंतिम दिन अग्निवीर जनरल ड्यूटी (जीडी) के लिए औरैया जिले की बिधूना, औरैया और अजीतमाल तहसीलों और बाराबंकी जिले के फतेहपुर, रामनगर, नवाबगंज, सिरसाउली, गौसपुर, रामासनेहीघाट और हैदरगढ़ तहसीलों के लिए भर्ती रैली आयोजित की जाएगी।

लखनऊ में फिल्म अस्सी का प्रीमियर: टीचर के रेप के इर्द-गिर्द घूमती है

लखनऊ। जैसे ही सितारों ने वेव सिनेमा हाल में कदम रखा, वहां मौजूद प्रशंसकों और सिनेमा प्रेमियों की भारी भीड़ ने उनका जाेरदार स्वागत किया। कलाकारों ने न केवल मीडिया से बात की, बल्कि दर्शकों के साथ फिल्म का प्रीमियर भी देखा। अनुभव सिन्हा ने कहा- फिलहाल धड़कन बढ़ी हुई है। उम्मीद है कि लोगों को यह फिल्म पसंद आएगी। हम लोगों ने पूरी टीम के साथ में मेहनत की है। मेरे जीवन के एक हिस्से की शुरुआत लखनऊ से हुई है। इसमें मुल्क, थप्पड़, आर्टिकल 15 जैसी फिल्में लखनऊ में बनी हैं। कहानी की शुरुआत एक झंकझोर देने वाले दृश्य से होती है। एक महिला अर्धनग्न, क्षत-विक्षत हालत में रेलवे ट्रैक पर फेंकी हुई मिलती है। आगे पता चलता है कि वह पेशे से टीचर परिमा (कनी कुसुरुति) है, जो अपने पति विनय (मोहम्मद जीशान अय्यूब) और बेटे के साथ एक सामान्य और खुशहाल जिंदगी जी रही होती हैं।

काली स्कॉर्पियो से सिपाही को उठा ले गई राजस्थान पुलिस

लखनऊ में सिपाही के अपहरण की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि सिपाही राजस्थान के 2002 के एक मामले में वांछित था। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। राजस्थान पुलिस उसे उठाकर ले गई है, तो अफसरों ने राहत की सांस ली। घटना रविवार सुबह 9 बजे गोमती नगर इलाके के ग्वारी गांव में हुई। सिपाही की पहचान ग्वारी निवासी अखिलेश त्रिपाठी के रूप में हुई। लखनऊ में स्मारक समिति की सुरक्षा व्यवस्था के लिए मायावती सरकार में एक विशेष सुरक्षा वाहिनी का गठन हुआ था। सिपाही अखिलेश त्रिपाठी की वाहिनी में तैनाती है। इन दिनों उनकी अंबेडकर पार्क में ड्यूटी रहती थी। रविवार सुबह वह अपने 2 बेटों के साथ टहलने निकले थे।

मनकामेश्वर मंदिर में रात 12 बजे भस्म आरती:

बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में 2KM लंबी कतार, गोमती नगर में बेल के पौधे रोपे

महाशिवरात्रि पर लखनऊ के प्रमुख शिवालयों में आधी रात से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मनकामेश्वर मंदिर में रात 12 बजे विशेष भस्म आरती हुई। इसके बाद मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए। हरहर महादेव के जयकारे लगाते हुए भक्तों ने महादेव को जलाभिषेक किया। विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। रात में ही मंदिर के बाहर भक्तों की लंबी कतार लग गई। बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में तड़के 4 बजे पंचमुखी आरती हुई। सुबह होते-होते भक्तों की करीब 2 किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। शहर के अन्य शिवालयों पर भी भक्तों की भीड़ उमड़ी है। शिव भक्त बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक, दूग्धाभिषेक कर रहे हैं। बेल पत्र, भांग, गांजा, बेर, फूल आदि चढ़ा रहे हैं। जगह-जगह श्रीरामचरित मानस पाठ हो रहा है। मोहनलालगंज में भंडारा शुरू हो गया है। जगह-जगह भंडारे की तैयारी चल रही है। गोमती नगर में महिलाओं ने बेल के पौधे रोपे हैं। मोहनलालगंज स्थित यूपीएल सीमेंट चादर फैक्ट्री स्थित शिव मंदिर में बूंदी, पूड़ी-सब्जी और फलाहार का प्रसाद वितरण किया जा रहा है। महाप्रबंधक जीएन श्रीवास्तव और आशीष गुप्ता ने बताया यह विशाल

भंडारा बीते कई वर्षों से आयोजन किया जा रहा है। जवाहर नगर हाथी पार्क के सामने डालीगंज स्थित शिव मंदिर में नंदी के कान में शिव भक्तों ने अर्जी लगाई। मान्यता है कि नंदी के कान में अर्जी लगाने से मनोकामना पूरी होती है। अलीगंज स्थित महामंगलेश्वर महादेव मंदिर में शिव जी की पूजा-अर्चना चल रही है। श्रीरामचरित मानस पाठ हो रहा है। आज शाम 5 बजे श्रीरामचरित मानस पाठ का समापन होगा। हवन के बाद विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा। एमिटी रोड गोमती नगर स्थित शिवालय में ओम नमः शिवाय का जाप हो रहा है। भंडारे की तैयारी चल रही है। गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति महिला प्रभारियों द्वारा देव वन हुसड़िया चौराहा में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बेल के पौधे लगाए गए। इस दौरान नीलम सिंह, अर्चना शुक्ला, प्रतिभा शाही, शशि निगम, डॉ. चित्रा सक्सेना सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

विराम खंड स्थित महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी आचार्य कृष्ण शास्त्री ने कहा कि यह लखनऊ का बहुत प्रसिद्ध मंदिर है। आज के दिन भगवान शिव की पूजा करने से मनवांछित फल प्राप्त होता है। शाम के समय भजन संध्या उसके बाद रुद्राभिषेक होगा। भंडारा होगा।

महाकाल मंदिर विराम खंड को भव्य रूप से सजाया गया। मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी। तमाम भक्तों ने पूजा-अर्चना करने के बाद मंदिर का वीडियो बनाया। सेल्फी ली।

आठ किलोमीटर तक भक्तों का रेला

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा पूरा शहर।

उन्नाव जिले में महाशिवरात्रि के महापर्व पर रविवार को उन्नाव शहर शिवमय हो गया। शहर में परंपरागत रूप से निकाली जाने वाली भव्य शिव शोभायात्रा ने इस बार भी भव्यता के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। करीब आठ किलोमीटर लंबी इस यात्रा में आस्था का ऐसा सागर उमड़ा कि शहर की सड़कें छोटी पड़ गईं। शोभायात्रा का शुभारंभ पूर्ण विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ हुआ। सदर विधायक पंकज गुप्ता, जिलाधिकारी गौरांग राठी और पुलिस अधीक्षक जेपी सिंह ने संयुक्त रूप से भगवान गणेश का पूजन किया। पूजन के पश्चात अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना किया। इस दौरान हर-हर महादेव के जयघोष से आसमान गूंज उठा।विशाल शिव बरात में एक से बढ़कर एक मनमोहक झांकियां शामिल रहीं। शिव तांडव, शिव-पार्वती विवाह, और राधा-कृष्ण की अलौकिक झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्य देवी-देवताओं के स्वरूपों वाली झांकियां भी लंबी कतार में शामिल रहीं। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा शोभायात्रा मार्ग पर जगह-जगह सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं द्वारा ठंडाई, शरबत, फलाहार और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। पूरी यात्रा मार्ग की निगरानी ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के जरिए कंट्रोल रूम से की गई। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा, ताकि यातायात और सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे।

जाजमऊ गंगा पुल की अगले माह से होगी मरम्मत

उन्नाव। कानपुर की सीमा पर स्थित हाईवे के जाजमऊ गंगा पुल की अगले महीने से मरम्मत शुरू होने की उम्मीद है। करीब छह महीने से चल रही कवायद में अब अधिकारी एक सप्ताह में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर लेने की बात कह रहे हैं। मरम्मत के लिए पुल बंद करने से पहले एनएचएआई के अधिकारी ट्रैफिक डायवर्जन पर मंथन कर रहे हैं। पुल जर्जर होने से लगने वाले जाम को लेकर शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी सोशल मीडिया पर कमेंट कर व्यवस्था पर सवाल उठाए थे।कानपुर-लखनऊ हाईवे पर उन्नाव और कानपुर जिले की सीमा पर जाजमऊ में गंगा पर बना पुल 51 साल पुराना होने से कमजोर हो गया है। पुल के कई पिलर पर स्लैब के बीच लगे बियरिंग खराब हैं। इससे भारी वाहनों के आवागमन पर तेज कंपन होता है। वर्ष 1975 में बने 708 मीटर लंबे पुल की स्लैब में दरारें भी हैं। इसी वजह से लगातार मरम्मत के बाद भी गड्ढे बने रहते हैं। एनएचएआई ने डेढ़ साल पहले केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) की तकनीकी टीम से पुल की जांच कराई थी। टीम ने रिपोर्ट में पुल की तत्काल मरम्मत की जरूरत बताई थी। एनएचएआई ने पुल की मरम्मत के लिए डीपीआर तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी थी। हालांकि राजमार्ग प्राधिकरण को टेंडर प्रक्रिया पूरी करने में काफी वक्त लग गया। 21 नवंबर 2025 को टेंडर खुलने थे लेकिन अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। एनएचएआई के अधिकारियों के अनुसार एक सप्ताह में टेंडर खोले जाएंगे। निर्माण एजेंसी तय होते ही मरम्मत की प्रक्रिया शुरू जाएगी। अगले मार्च महीने से प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। मरम्मत के दौरान पुल से यातायात भी बंद करना हो। ट्रैफिक डायवर्जन के लिए कानपुर और उन्नाव जिला प्रशासन से अनुमति ले ली जाएगी।

वीबी जीरामजी के सामने मनरेगा की बड़ी चुनौती

कानपुर। मनरेगा को एक अप्रैल से विकसित भारत-गारंटी मिशन में बदला जाना है, लेकिन 12 हजार से अधिक अधूरे कार्यों और तीन करोड़ के बकाया भुगतान ने प्रशासन की राह मुश्किल कर दी है। अब 31 मार्च तक काम पूरा करने की चुनौती है। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (वीबीजी रामजी) की शुरुआत से पहले ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत अधूरे पड़े कार्यों ने प्रशासन के सामने चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। एक अप्रैल से मनरेगा को नए स्वरूप में लागू करने की केंद्र सरकार की योजना है। अभी चार वित्तीय वर्षों में शुरू हुए 12,346 कार्य पूरे नहीं हो सके हैं। इन अधूरे कामों से जुड़े 30 हजार से अधिक मजदूरों की मजदूरी और लगभग तीन करोड़ रुपये की निर्माण सामग्री का भुगतान भी अटक गया है। मनरेगा के तहत कार्यों में देरी का मुख्य कारण समय पर बजट जारी न होना है। इसके परिणामस्वरूप 10 ब्लॉकों में शुरू हुए 1,05,674 कार्यों में से केवल 93,328 ही पूरे हो पाए हैं, जो 88.32 फीसदी है। केंद्र सरकार की ओर से 31 मार्च तक सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। नई व्यवस्था में सालाना रोजगार की सीमा 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन करने का प्रस्ताव है।
जिले की 590 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के कार्य कराए जाते हैं। वर्तमान समय में करीब 38 हजार से अधिक मजदूर पंजीकृत हो सके हैं। हालांकि अभी बायोमिट्रिक का कार्य हो रहा है। इसमें करीब 1500 मजदूर ही सक्रिय हैं। 252 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में 5 लाख मानव दिवस सृजित हो सके हैं। जो भी अधूरे कार्य है उन्हें पूरे कराने के सभी बीडीओ को निर्देश दिए हैं। प्रयास है कि मार्च तक सभी अधूरे कार्य पूरे करा लिए जाएं। जो 30 फीसदी से कम काम है उसका भुगतान नहीं होगा।

महाशिवरात्रि पर दूल्हा बने बाबा विश्वनाथ, दुनिया के आठ व देश के 54 मंदिरों के प्रसाद से लगा भोग

वाराणसी। महाशिवरात्रि पर श्रीकाशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए रविवार की सुबह भक्तों का रेला उमड़ पड़ा। मंदिर के सभी प्रवेश द्वार पर चार किलोमीटर से भी लंबी कतारें लगी हैं। मंदिर कॉरिडोर के चारों ओर गलियों, घाटों और सड़कों से भक्त बाबा के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंगला आरती के बाद एक ही घंटे में 30 से 40 हजार भक्तों ने दर्शन कर लिया। इसके बाद से दर्शन का सिलसिला जारी है। सीईओ विश्वभूषण मिश्रा ने बताया कि 6 बजकर 40 मिनट तक ही 1.60 लाख भक्तों ने दर्शन किया और 7 बजे के बाद दो लाख से पार हो गया। वहीं 9 बजे तक दर्शनार्थियों की संख्या चार लाख हो गई। मंदिर एसडीएम शंभू शरण ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर 45 घंटे तक स्पर्श दर्शन बंद रहेगा। दोपहर बाद बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया। महादेव को दूल्हे के रूप में देखने के लिए श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह देखने को मिला। गंगा घाट से लेकर बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर तक भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा है। धाम के आसपास हर-हर महादेव का जयकारे गूंज रहे हैं। बाबा के दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी हैं। इसके साथ ही काशी के सभी मंदिरों और शिवालयों में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा है। बाबा के दर्शन के लिए शनिवार रात में ही भक्तों की कतार लग गई। देशभर से आए भक्तों ने मंदिर के चारों तरफ लगे वैरिकेडिंग में पूरी रात बाबा के दर्शन के इंतजार में रतजगा किया। रात में 12 बजे के बाद मंदिर परिक्षेत्र के चारों तरफ दो किमी में लाइन लग गई थी। वहीं, गंगा स्नान के लिए भी भक्तों की भीड़ जुट गई थी।

भारत की जीत के लिए सिंधिया घाट पर नमामि गंगे ने की विशेष प्रार्थना, हर- हर महादेव के जयघोष

वाराणसी में सिंधिया घाट पर रविवार की सुबह नमामि गंगे के सदस्यों ने भारत की जीत के लिए विशेष पूजा की। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर मां गंगा से प्रार्थना की। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इसी क्रम में वाराणसी के प्रसिद्ध सिंधिया घाट पर नमामि गंगे के सदस्यों ने भारत की जीत के लिए विशेष प्रार्थना और पूजन किया। घाट पर जुटे सदस्यों ने 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने मां गंगा के तट पर दीप प्रज्वलित कर देश की विजय और खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन की कामना की। घाट पर उपस्थित लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। देशभक्ति के नारों के बीच सदस्यों ने कहा कि क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होने के कारण यह देश के सम्मान से भी जुड़ा होता है। नमामि गंगे के कार्यकर्ता राजेश शुक्ला ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय टीम का मनोबल बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि हम सभी बाबा विश्वनाथ और मां गंगा से प्रार्थना करने आए हैं कि भारतीय टीम शानदार प्रदर्शन करे और देश को जीत का गौरव दिलाए। उन्होंने कहा कि काशी की पवित्र धरती से की गई प्रार्थना अवश्य सफल होगी। इस अवसर पर घाट पर उपस्थित लोगों ने भी भारत की जीत के लिए समर्थन जताया और एक स्वर में 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और श्रद्धाभाव के साथ संपन्न हुआ।

कभी मायावती के थे 'दाहिने हाथ', अब कांग्रेस छोड़

अखिलेश यादव की साइकिल पर सवार हुए नसीमुद्दीन सिद्दीकी

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में, पूर्व मंत्री नसीमउद्दीन सिद्दीकी ने कांग्रेस छोड़कर अखिलेश यादव की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है, जिसे आगामी चुनावों में सपा के लिए एक महत्वपूर्ण बढ़त के रूप में देखा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्रिमंडल मंत्री और कांग्रेस से हाल ही में इस्तीफा देने वाले नेता नसीमउद्दीन सिद्दीकी रविवार को समाजवादी पार्टी में पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की उपस्थिति में शामिल हो गए। उनका यह कदम अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों के बीच आया है। समाजवादी पार्टी ने कई अन्य प्रमुख नेताओं का भी अपने दल में स्वागत किया, जिनमें बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पूर्व नेता अनीस अहमद खान उर्फ फूल बाबू, अपना दल (सोनेलाल) के पूर्व विधायक राजकुमार पाल, पूर्व विधायक दीनानाथ कुशवाहा और दानिश खान शामिल हैं। सिद्दीकी ने 24 जनवरी को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया, जहां वे प्रदेश अध्यक्ष के पद पर कार्यरत थे। उनका इस्तीफा राहुल गांधी की रायबरेली यात्रा के दौरान लखनऊ में हुई एक घटना के बाद आया, जब कथित तौर पर सिद्दीकी को कांग्रेस नेता का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पर प्रवेश करने से रोक दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने वापस लौटकर इस्तीफा दे दिया। सिद्दीकी को उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक प्रमुख मुस्लिम नेता के रूप में जाना जाता है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि सिद्दीकी बसपा में फिर से शामिल हो सकते हैं, जिसके साथ उनका कांशी राम के समय से ही लंबा जुड़ाव रहा है। उन्हें मायावती का करीबी माना जाता था, जिन्होंने उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। अपने चारों कार्यकालों में सिद्दीकी ने कैबिनेट मंत्री पद संभाले। हालांकि, उन्हें 2017 में बसपा से निष्कासित कर दिया गया था और अगले ही साल वे कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इस बीच, एक अन्य महत्वपूर्ण नेता अनीस अहमद खान उर्फ फूल बाबू, पीलीभीत से तीन बार विधायक रह चुके हैं और मायावती सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं।

ये कैसी जिंदगी है? दिल्ली के खराब AQI पर CM योगी का सवाल, UP के स्वच्छ वातावरण का किया जिक्र

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता की तुलना गैस चैंबर से की और जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग स्वच्छ वातावरण का आनंद ले रहे हैं और सभी विकास कार्यों के बावजूद उनका दम नहीं घुट रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि आदित्यनाथ गोरखपुर के जंगल कौरिया में पुनर्निर्मित ब्लॉक विकास अधिकारी कार्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौतियों में से एक पर्यावरण का क्षरण है। उन्होंने समझाया कि यहां का पर्यावरण काफी अच्छा है; कोई प्रदूषण नहीं है। प्रदूषण न होने पर बीमारियां कम होती हैं। प्रदूषण होने पर फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है। अगर हमारे शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होती है, तो पूरा शरीर प्रभावित होता है। उन्होंने दिल्ली की वायु गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा, दिल्ली की हालत देखिए? ऐसा लगता है जैसे गैस चैंबर में हों। स्थिति बेहद खराब है; सांस लेना मुश्किल है और आंखों में जलन हो रही है। डॉक्टर अस्थमा के मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों को घर के अंदर रहने की सलाह दे रहे हैं। ये कैसी जिंदगी है? उन्होंने चेतावनी दी कि पर्यावरण में किसी भी तरह की गड़बड़ी से ऐसी ही परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। आदित्यनाथ ने आगे कहा, हम यहां भाग्यशाली हैं; हमारे यहां विकास तो है लेकिन दम घोंटने वाला वातावरण नहीं है।

10 सालो से भी ज्यादा का प्यार, शादी को लेकर टकराव फिर कार में मिली लाश: नोएडा केस में उठे कई सवाल

नोएडा में वैलेंटाइन डे के दिन एक बंद कार से युवक और युवती के शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया. शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन परिवारों के लगाएं आरोपों के बाद पुलिस जांच कर रही है. दरअसल, नोएडा के एलिवेटेड रोड पर कार के अंदर युवक-युवती की गोली लगी लाशें मिलने से सनसनी फैल गई. शुरुआती जांच आत्महत्या की ओर इशारा कर रही है, लेकिन सुसाइड नोट, पारिवारिक असहमति और परिजनों के आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया है. इसके बाद पुलिस पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी. बीते दिन पुलिस को सूचना मिली कि दादरी रोड के पास एक कार संदिग्ध हालत में खड़ी है. जब कार का दरवाजा खोला गया तो अंदर दोनों के सिर में गोली के निशान थे और युवक के हाथ में हथियार मिला. दरवाजे अंदर से लॉक थे, जिससे पहले इस मामले को आत्महत्या माना जा रहा है.जांच में सामने आया कि दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे और रिश्ते में थे. अलग-अलग जाति होने की वजह से शादी में दिक्कतें आ रही थी. बताया जा रहा है कि युवक का परिवार तैयार था, लेकिन युवती के घर से सहमति नहीं मिल पा रही थी. बता दें कि कार से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें शादी को लेकर निराशा जाहिर की गई है. इसी आधार पर पुलिस प्रेम प्रसंग और मानसिक दबाव की दिशा में जांच कर रही है. हालांकि नोट की हैंडराइटिंग और अन्य पहलुओं की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है. मृत युवक के परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए युवती के परिवार पर सवाल उठाए हैं. उनका कहना है कि मामले में केवल आत्महत्या की थ्योरी पर भरोसा करना जल्दबाजी होगी. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही मौत की असली वजह साफ होगी. फिलहाल दोनों के परिवारों से पूछताछ की जा रही है और सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच जारी है.